Reagrding completion of work pertaining to repair of roads, it?s interlocking under Jal Jeevan Mission

श्री सनातन पांडेय (बलिया) : सभापति महोदय जी, मैं आपको हृदय से धन्यवाद देता हूं कि जल जीवन मिशन जैसी बहुचर्चित और बहुआयामी योजना पर मुझे आपने बोलने का मौका दिया है।

आदरणीय सभापति महोदय जी, पूरे प्रदेश और देश को इस योजना से एक उम्मीद बंधी थी कि स्वच्छ जल मिलेगा। वर्ष 2019 से 2024, इसे पांच सालों में पूरा होना था, लेकिन आज जमीन पर इनका 20 प्रतिशत भी काम नहीं दिखाई दे रहा है। मुझे शंका है। मैं आपसे मांग करता हूं कि यह काम उन कंपनियों को दिया गया है, मैं नहीं कह रहा हूं, बल्कि चुनाव आयोग की रिपोर्ट है कि चुनाव बॉन्ड के रूप में 666 करोड़ रुपए मेगा इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड ने?(व्यवधान)

माननीय सभापति : आप जल जीवन मिशन की बात कर रहे हैं।

?(व्यवधान)

श्री सनातन पांडेय : सर, यह वही है। यह जल जीवन मिशन है।

माननीय सभापति : अगर आपके क्षेत्र में या कहीं भी हर घर को नल से जल की सुविधा नहीं मिली है।

श्री सनातन पांडेय : सर, मैंने आपकी योजना की तारीफ की है।

माननीय सभापति : हमारी योजना नहीं है। यह सरकार की योजना है।

श्री सनातन पांडेय : सर, मैंने सरकार की योजना की तारीफ की है, लेकिन शंका है कि हम ग्रामीण क्षेत्र से आते हैं। हमारे जनपद की स्थिति यह है कि हर जगह, हर सड़क, हर गली को खोद कर छोड़ दिया गया है। उसका कोई मां-बाप नहीं है। वहां रोज एक्सिडेंट्स हो रहे हैं। मुझे डर है, जिस बात को मैं कहना चाहता हूं। यह काम उन्हीं कंपनियों का है।

माननीय सभापति : इसमें सरकार का क्लॉज है कि काम खत्म होने के बाद जिस तरह की सड़क थी, उसकी इंटरलॉकिंग हो या अन्य काम हो, उसे बना कर दें। यह भारत सरकार की तरफ से एक दम क्लियर इंस्ट्रक्शन है।

श्री सनातन पांडेय : सर, हम आपके विचार से सहमत हैं। सरकार, मुझे डर कहां पर है। यह काम उन्हीं कंपनियों को दिया गया है, जो कंपनियां, यह मैं नहीं कह रहा हूं बल्कि देश का चुनाव आयोग कह रहा है कि 966 करोड़ रुपए इलेक्ट्रॉल बॉन्ड के रूप में दिया गया है। ?(व्यवधान)

माननीय सभापति : कंपनियां टेंडर से लेती हैं।

श्री सनातन पांडेय : सर, इलेक्ट्रोरल बॉन्ड दिया गया है। उनसे 966 करोड़ लिया गया है। इसलिए मुझे डर है कि देश में जो परियोजनाएं चल रही हैं, जो भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गईं। अगर ये परियोजनाएं भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ेंगी, तो यह जीवन का सवाल है। मैं आपसे इसके लिए अनुरोध करता हूं। ?(व्यवधान)

माननीय सभापति : श्री जनार्दन सिंह सीग्रीवाल जी, उपस्थित नहीं।

श्री सुरेश कुमार कश्यप जी।